जनसंचार

पवन कुमारी
हिन्दी विभाग
हंसराज महिला महविद्यालय
जालंधर

- मनुष्य और मनुष्य के बीच हाव-भाव संकेतों और वाणी के माध्यम से सूचनाओं का जो आदान – प्रदान होता है , उसे संचार कहते है

"संचार एक शक्ति है जिसमें एक एकांगी सम्प्रेषण दूसरे व्यक्तियों को व्यवहार बदलने हेतु प्रेरित करता है"

.....हावलेंड

“संचार एक प्रक्रिया है जिसमें सामाजिक व्यवस्था के द्वारा सूचना,निर्णय और निर्देश दिये जाते है”

.....लूमिक और बीगल

संचार के प्रकार

- अंत : वेयक्तिक संचार
- अंतव्र्येक्तिकसंचार
- समूह संचार
- जनसंचार
- परंपरागत संचार

अंत : वेयक्तिक संचार

यह एक मनौविज्ञानिक प्रक्रिया है जो व्यक्ति के मन के दायरे में सम्पन्न होती है

अंतव्र्येक्तिकसंचार

दो या दो से अधिक व्यक्तियों के समूह के भीतर घटित संचार को अंतव्र्येक्तिकसंचार कहते है

समूह संचार

समूह संचार अंतव्र्येक्तिकसंचार का विस्तृत रूप है रामलीला,कथा वाचन द्वारा पुरानो का वाचन ,फिल्म फोरम ,नाट्यशलाओ में समूहिक अवलोकन समूह संचार के रूप है

जनसंचार

समूह संचार के विस्तार को जनसंचार कहते है

जन का अर्थ है वृहत्-जन समुदाय

परंपरागत संचार

लोक गीत,लोक नाट्यो की परंपरागत विद्याये प्राचीन काल से ही जनसंचार का सशक्त माध्यम रही है

जनसंचार

“ वह असंख्य ढंग ,जिनसे मानवता से संबंध रखा जा सकता है केवल शब्दों या संगीत ,चित्रों या मुद्रण द्वारा ,इशारो या अंग प्रदर्शन ,शारीरिक मुद्रा या पक्षियों के परों से – सभी की आँखों तथा कानो तक संदेश पहुँचाना ही जनसंचार कहलता हैं”

एशले मोटुंग तथा लोएड मैटसन

“जनसंचार का अर्थ , जनसंचार माध्यमों – जैसे रेडियो ,दूरदर्शन ,प्रेस और चलचित्र द्वारा सूचना,विचार और मनोरंजन का प्रचार - प्रसार करना”

डी. एस. मेहता

❖ जनसंचार माध्यम
मुद्रित अथवा लिखित जनसंचार माध्यम

- समाचार पत्र एवं पत्रिकाये
- सूचना पत्र अथवा न्यूजलेटर्स
- पर्चे तथा किताबें
- डाक द्वारा भेजे जाने वाले मुद्रित पत्र
- नियम पुस्तकें एवं पुस्तिकाएँ

❖इलेक्ट्रोनिक माध्यम

(अ) श्रव्य अथवा आडिओ माध्यम

- रेडियो प्रसारण
- आडिओ टेप

(आ) श्रव्य- दृश्य अथवा आडियो – विजुएल माध्यम

- टेलीविज़न प्रसारण (दूरदर्शन)
- सिनमा (चलचित्र)
- वीडियो टेप

(इ) दृश्य अथवा विजुअल माध्यम (इलेक्ट्रोनिक तथा मुद्रित दोनों रूपों में)

- स्लाइड्स तथा फिल्प चार्ट्स
- पोस्टर तथा स्टिकर्स
- बैनर्स ,विज्ञापन पट
- नक्शे चार्ट्स ,डाईग्राम्स
- वाल पैंटिंग्स,स्टाम्पस

(ई) नवीन इलेक्ट्रोनिक माध्यम

- मल्टी मीडिया ,सी .डी .रॉम
- कम्प्युटर , इंटरनेट
- टेलीमेटिक्स सी .डॉट

मुद्रित माध्यम

यह जनसंचार का पुराना और सर्वप्रचलित माध्यम हैं जैसे – समाचार पत्र

श्रव्य माध्यम – रेडियो

रेडियो के साथ ही रेडियो डाटा पेजिंगसर्विस के रूप में एक चलती फिरती वायरलेस प्रणाली की सुविधा भी है भारत में यह सेवा 1968 ई. में शुरू हुई

दृश्य – श्रव्य माध्यम

- दूरदर्शन
- चलचित्र
- कम्प्युटर
- इंटरनेट

दूरदर्शन :

सूचना क्रांति में जो महत्व मुद्रण का था अथवा श्रव्य माध्यम में जो क्रांति रेडियो ने उपस्थित की , दृश्य – श्रव्य माध्यमों में वही महत्व दूरदर्शन का है

चलचित्र :

दूरदर्शन के अतिरिक्त विद्धुतीय संचार माध्यमों तथा दृश्य –श्रव्य साधनों में चलचित्र एक महत्वपूर्ण संचार माध्यम हैं

कम्प्युटर :

मानव मस्तिष्क से कई गुणा तेज़ गति रखने वाला कम्प्युटर संचार माध्यमों में विशेष स्थान रखता है

इंटरनेट :

कम्प्युटर आधारित इंटरनेट आज एक सर्वव्यापी सत्ता बन चुका हैं

इलेक्ट्रोनिक संचार युग का यह सर्वाधिक विस्मयकारी ,सक्षम एवं तेज़ सूचना संवाहक हैं

श्रव्य माध्यम (रेडियो)

- रेडियो समाचार लेखन
- रेडियो विज्ञापन
- रेडियो फ़ीचर लेखन
- रेडियो नाटक लेखन

❖रेडियो समाचार लेखन

प्रारम्भ ..... 10 से 15 शब्द
समाचार शीर्षक .....100 से 110 शब्द
समाचार का मुख्य विवरण ....1000 से 1100 शब्द
शीर्षक की पुनरावृति .....80 से 90 शब्द
समापन .....10 से 15 शब्द

❖रेडियो विज्ञापन

रेडियो के विज्ञापन और समाचार पत्रों के विज्ञापन के लेखन में मात्र माध्यम का अंतर ही परिवर्तन लता है

रेडियो विज्ञापन की विशेषताएँ:

- उद्घघोषक द्वारा विज्ञापन का सीधा या सामान्य वाचन
- नाटकीयता

- प्रामाणिकता
- वस्तु के लिए गीत या तुकबंदी
- प्रायोजिक विज्ञापन

रेडियो फ़ीचर लेखन

ध्यान देने योग्य बातें :

- विषय चयन
- कथात्मकता
- भाषा की प्रवाहमयता
- तथ्यपरकता
- वाचन
- संगीत प्रभाव

❖रेडियो नाटक लेखन

रेडियो पर प्रसारणार्थ लिखे ज़े नाटक को रेडियो नाटक कहते हैं

- नाटक का बीज
- स्थापत्य और कथानक
- चरित्र
- दृश्य- संयोजन
- आरंभ ,विकास और अंत
- रेडियो नाटक के उपकरण
- उद्धेश्य

❖दृश्य –श्रव्य माध्यम

टेलीविज़न एवं दूरदर्शन

टेलीविज़न नाटक लेखन

- कथानक
- पात्र
- संघर्ष
- दृश्यतमकता
- ध्वनि तथा संगीत प्रभाव
- ‘क्लोज़ अप’ का महत्व

अत: जनसंचार माध्यमों का अपना विशिष्ट महत्व हैं

धन्यवाद